No. of Printed Pages : 4

MEC-007

00764

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

December, 2012

MEC-007 : INTERNATIONAL TRADE AND FINANCE

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given.*

SECTION - A

Answer ***any two*** questions from the following section : **2x20=40**

1. Critically evaluate India's trade policy and performance in the post - liberalisation period.

2. Discuss the rationale behind import substitution strategy for industrialization. Explain the appropriate tools for implementing this strategy.

3. 'Balance of Payments is a monetary phenomenon'. Critically examine this statement.

4. Critically examine the Hecksher - Ohlin theorem of International Trade.

SECTION - B

Answer **any five** questions from this section.

5x12=60

5. Discuss European Union (EU) as a Regional Economic Bloc. Explain its formation and growth over the years.

6. Describe the salient features of Bretton Woods System ? Is this system relevant in the present context ?

7. Discuss the important principles governing trade in goods under WTO regime.

8. Explain in brief the trends in trade in services since 1991.

9. Discuss the formation of South Asian Free Trade Area (SAFTA). What role did India play in its formation ?

10. What is expansionary monetary policy ? Examine the impact of capital mobility on it.

11. Why did India delay its Trade Policy reforms ? List three main causes of BOP crisis in India in 1991.

एम.ए. (अर्थशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2012

एम.ई.सी.-007 : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक खंड के नीचे दिये गए निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दें।*

खण्ड - क

निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दें। **2x20=40**

1. उदारीकरण के पश्चात भारत की व्यापार नीति एवं निष्पादन का समीक्षात्मक आकलन कीजिये ।

2. औद्योगीकरण की आयात प्रतिस्थापन रणनीति के मूल आधार का विवेचन कीजिये । इस रणनीति को कार्यान्वित करने के लिये उपयुक्त साधनों की भी व्याख्या कीजिये ।

3. ''भुगतान संतुलन एक मौद्रिक विचार है'' - इस कथन की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये ।

4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के हेक्शचर-ओहलीन प्रमेय की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

खण्ड - ख

इस खण्ड से ***किन्हीं पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिये । **5x12=60**

5. क्षेत्रीय आर्थिक ब्लाक के रूप में यूरोपीय संघ की चर्चा कीजिये। इस संघ के गठन एवं विकास की व्याख्या कीजिये।

6. ब्रटन वुड्स सिस्टम की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिये। वर्तमान स्थिति में यह सिस्टम कितना संगत है?

7. WTO के प्रावधान में 'वस्तु व्यापार' के महत्वपूर्ण सिद्धान्तों की चर्चा कीजिये।

8. 1991 के उपरान्त 'सेवाओं के व्यापार' की प्रवृत्तियों का संक्षिप्त रूप में विवेचन कीजिये।

9. दक्षिण एशिया उन्मुक्त व्यापार क्षेत्र के गठन की चर्चा कीजिये। इस गठन में भारत के योगदान का विश्लेषण कीजिये।

10. प्रसारवादी मौद्रिक नीति से हमारा क्या अभिप्राय है? इस पर पूंजी गतिशीलता का क्या प्रभाव पड़ता है?

11. भारत ने व्यापार नीति सुधारों में क्यों देरी की? 1991 के भुगतान संतुलन संकट के तीन मुख्य कारणों का वर्णन कीजिये।